गृहमंत्री और शंकराचार्य की बंद कमरे में मंत्रणा

सम्मान के साथ किया जाए मृतकों का संस्कार : स्वरूपानंद

अमर उजाला ब्यूरो

हरिद्वार। केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने शनिवार को कनखल स्थित शारदा पीठाधीश्वर स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के मठ में जाकर बंद कमरे में उनसे मंत्रणा की। जगद्गुरु शंकराचार्य ने जहां घटना पर रोष जताया, वहीं प्रकृति से छेड़छाड़ पर नाराजगी व्यक्त की। जगद्गुरु ने कहा कि गंगा के समूचे क्षेत्र को खाली रखा जाना चाहिए। दुर्घटना में मारे गए यात्रियों का संस्कार सम्मान के साथ होना चाहिए, डीएनए भी कराया जाए, ताकि शवों को लेकर भविष्य में विवाद न हो।

शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे गुरुकुल विवि स्थित हैलीपेड पर उतरे और सीधे ज्योर्ति तथा शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के कनखल स्थित मठ पहुंचे। मंत्री और जगद्गुरु ने बंद कमरे में मंत्रणा की। शंकराचार्य ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि किस प्रकार हिंदू धर्मस्थलों की उपेक्षा की जा रही है और अवैध निर्माण हो रहे हैं। हालात यहां तक खराब हैं कि मृतकों की तो बात छोड़ें, जीवित रह गए परिजनों की भी सुध नहीं ली जा रही। जीवित यात्रियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। गृहमंत्री ने आश्वासन दिया कि मंदिर का जीर्णोद्धार साधु-संतों की राय के हिसाब से किया जाएगा। जहां तक मृतकों के संस्कार का सवाल है, संस्कार पूर्ण सम्मान के साथ होगा। जगद्गुरु की राय के मुताबिक मृतकों का डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। गृहमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की आपदा पूरे देश की आपदा है। इस भीषण आपदा से निपटने के सभी इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने शंकराचार्य से आग्रह किया कि वे आगामी निर्माण कार्य से स्वयं को संबद्ध रखें। उत्तराखंड शासन उनकी राय का पूरा सम्मान करेगा।

संतों की राय से होगा केदारनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार : शिंदे